मनोविश्लेषण का सरलीकरण

प्रिलिम्स के लिये:

मनोविश्लेषण

मेन्स के लिये:

मनोविश्लेषण, मनोविश्लेषण और आपराधिक पुनर्वास में शामिल नैतिक पहलू

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **दिल्ली** पुलिस ने खुलासा किया कि संसद उल्लंघन की घटना में आरोपी छह व्यक्तियों को उनके उद्देश्यों को समझने के लिये **मनोविश्लेषण (Psychoanalysis)** प्रक्रिया से गुज़रना पड़ा।

मनोविश्लेषण क्या है?

- **परिचय: मनोविश्लेषण सिद्धांतों तथा चिकित्सीय तकनीकों का एक समूह है जिसकी सहायता से मानसिक विकारों का इलाज किया जाता है।**
  - इसका उद्देश्य मनोवैज्ञानिक अनुभव के **अचेतन तथा सचेत तत्त्वों के बीच संबंधों** की जाँच कर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का इलाज करना है।
  - इसकी शुरुआत 19वीं सदी के अंत तथा 20वीं सदी की शुरुआत में विनीज़ मनोचिकित्सक **सिगमंड फ्रायड (Sigmund Freud)** ने की थी।
- **मनोविश्लेषण से संबंधित मुख्य पहलू:**
  - **अचेतन मन:** फ्रायड ने प्रस्तावित किया कि मानव व्यवहार का अधिकांश हिस्सा **अचेतन इच्छाओं, भय, स्मृति तथा संघर्षों** से प्रभावित होता है जो अमूमन बचपन के शुरुआती अनुभवों से उत्पन्न होते हैं।
    - मनोविश्लेषण के माध्यम से अचेतन मन की जाँच की जाती है तथा पता लगाया जाता है कि यह कैसे **विचारों, व्यवहारों, भावनाओं एवं व्यक्तित्व** को आकार देता है।
  - **इड, ईगो, सुपरईगो:** फ्रायड ने मन का एक संरचनात्मक मॉडल पेश किया जिसमें इड/Id (प्रवृत्ति तथा आनंद से जनित), **अहम्/Ego (id व वास्तविकता के बीच मध्यस्थ) तथा सुपरईगो (सामाजिक मानदंडों व मूल्यों को आंतरिक बनाता है)** शामिल है।
    - यह मॉडल मानसिक समस्याओं को समझने में सहायता करता है।
  - **मनोविश्लेषणात्मक थेरेपी:** इसमें रोगी तथा चिकित्सक के बीच मौखिक वार्ता शामिल होती है, जिसका उद्देश्य अचेतन संघर्षों को जानना तथा किसी की भावनाओं एवं व्यवहारों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना है।

मनोविश्लेषण में शामिल नैतिक पहलू क्या हैं?

- **सूचित सहमति:** उपचार शुरू करने से पहले रोगी को मनोविश्लेषण की प्रकृति, इसके **संभावित लाभों, जोखिमों और विकल्पों के बारे में पूरी जानकारी होनी** चाहिये।
  - यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस प्रक्रिया में अक्सर व्यक्तिगत और संवेदनशील विषयों पर चर्चा शामिल होती है।
  - इसके अलावा सूचित सहमति प्राप्त करना अनुच्छेद 21 के संभावित उल्लंघनों के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान करता है, जैसा कि सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य और अन्य मामले (2010) में उजागर किया गया है।
- **गोपनीयता:** चिकित्सा में **रोगी की गोपनीयता बनाए रखना सर्वोपरि** है। हालाँकि कुछ स्थितियों में, चिकित्सकों को नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि जब कोई मरीज़ खुद के लिये या दूसरों के लिये खतरा पैदा करता है।
  - चेतावनी देने या सुरक्षा करने के कर्त्तव्य के साथ गोपनीयता को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- **स्थानांतरण और प्रतिसंक्रमण:** पिछले **अनुभवों या अनसुलझे मुद्दों के कारण रोगी और चिकित्सक दोनों एक-दूसरे के प्रति तीव्र भावनाओं**

या प्रतक्रियिाओं का अनुभव कर सकते हैं।
    - इन भावनाओं को नैतकि रूप से प्रबंधति करना।
- **सांस्कृतकि संवेदनशीलता:** यह सुनश्चिति करने के लयि कि **वे उचति देखभाल प्रदान करें और ववििधि दृष्टकिोणों का सम्मान करें,** चकित्सिकों को सांस्कृतकि रूप से सक्षम तथा अपने पूर्वाग्रहों के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है।

मनोवश्लिेषण आपराधकि पुनर्वास में कैसे मदद कर सकता है?

- **सहानुभूतविकिसति करना:** मनोवश्लिेषण व्यक्तयिों को दूसरों पर उनके कार्यों के प्रभाव को समझने में **मदद करके सहानुभूतकिो बढ़ावा दे सकता** है।
    - आत्म-चतिन और चकित्सिा में प्राप्त अंतर्दृष्टकि के माध्यम से, अपराधी अपने व्यवहार के परणािमों की अधकि समझ वकिसति कर सकते हैं, जससि **सहानुभूत** बिढ़ सकती है।
- **आवेग नयिंत्रण: हसिक या आवेगी व्यवहार के इतहिास वाले** व्यक्तयिों के लयि, मनोवश्लिेषण इन प्रवृत्तयिों को समझने और प्रबंधति करने में सहायता कर सकता है।
    - **गहरी भावनाओं और अनसुलझे संघर्षों की खोज करके**, व्यक्तअिपनी भावनाओं तथा आवेगों को बेहतर ढंग से नयिंत्रति करना सीख सकते हैं, जससि दोबारा अपराध करने की संभावना कम हो जाती है।
- **पुनरावृत्तकिो रोकना:** मूल प्रेरणाओं को संबोधति करके, **व्यक्तविनिाशकारी पैटर्न से मुक्त होने** और सार्थक तरीके से समाज में पुन: एकीकृत होने के लयि बेहतर ढंग से सुसज्जति होते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/decoding-psychoanalysis